नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

भारत-अफगानिस्तान के रिश्तों में नई गर्माहट

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी की भारत यात्रा ने दक्षिण एशिया की कूटनीति में एक नया अध्याय खोल दिया है. यह यात्रा केवल औपचारिक राजनयिक संवाद नहीं, बल्कि 2021 में अशरफ गनी सरकार के पतन और तालिबान शासन की पुनर्स्थापना के बाद भारत और अफगानिस्तान के बीच उच्च-स्तरीय संपर्क का सबसे ठोस संकेत है. चार वर्षों से भारत ने अफगान स्थिति पर 'सतर्क प्रतीक्षा' की नीति अपनाई थी, परंतु अब काबुल में अपने तकनीकी मिशन को दूतावास का दर्जा देने की घोषणा यह दर्शाती है कि नई दिल्ली बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों में अपने हितों और संबंधों को संतुलित रूप से आगे बढ़ाना चाहती है.

भारत और अफगानिस्तान का संबंध केवल राजनयिक नहीं, बल्कि सभ्यतागत और सांस्कृतिक गहराई से जुड़ा हुआ है. गांधार से लेकर काबुल-कंधार तक, भारत ने हमेशा अफगान भूमि को न केवल व्यापार का मार्ग बल्कि सांस्कृतिक सेतु के रूप में देखा है. बामियान की बुद्ध प्रतिमाएं, काबुल का सूफी संगीत, या अफगान छात्रों की भारतीय विश्वविद्यालयों में उपस्थिति — इन सबने दोनों देशों के बीच आत्मीयता की निरंतर धारा बनाए रखी. स्वतंत्रता के बाद भी, भारत ने अफगानिस्तान के विकास में गहरी भूमिका निभाई — चाहे वह सलमा डैम हो, अफगान संसद भवन का निर्माण, या स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सहायता. अफगान विदेश मंत्री मुत्ताकी की यात्रा इस ऐतिहासिक मित्रता को पुनर्जीवित करने का अवसर है. उन्होंने स्पष्ट कहा कि अफगानिस्तान भारत को 'घनिष्ठ मित्र' मानता है और अपनी भूमि का उपयोग किसी अन्य देश के विरुद्ध नहीं होने देगा. यह कथन, अपने आप में, भारत की सुरक्षा चिंताओं को शांत करने वाला है. विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भी अपनी प्रतिक्रिया में यह रेखांकित किया कि भारत आतंकवाद को दोनों देशों की साझा चुनौती मानता है और सहयोग का यही आधार भविष्य में स्थिरता का रास्ता खोलेगा.

भारत ने अफगानिस्तान में मानवीय सहायता को भी कूटनीतिक सेतु बनाया है. 20 एम्बुलेंस, 6 नई विकास परियोजनाओं, और भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण सहायता जैसे कदम, केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि भारतीय कूटनीति के मानवीय स्वरूप का परिचायक हैं. यही कारण है कि आज भी अफगान जनता भारत के प्रति गहरी सद्भावना रखती है, भले ही शासन में बदलाव आया हो.

लेकिन इस बढ़ती नजदीकी का सबसे अधिक असहज पड़ोसी निस्संदेह पाकिस्तान है. दशकों से पाकिस्तान अफगानिस्तान को अपने 'रणनीतिक पड़ोसी' के रूप में देखता रहा है. भारत और अफगानिस्तान की नजदीकी उसकी सुरक्षा और सामरिक सोच को सीधे चुनौती देती है. भारत की कूटनीति ने तालिबान शासन से सीधे संवाद कर यह स्पष्ट संकेत दे दिया है कि नई दिल्ली अफगानिस्तान की वास्तविक सत्ता संरचना से बातचीत करने में अब हिचकिचाएगी नहीं. यह पाकिस्तान के उस पुराने दावे को भी कमजोर करता है कि अफगानिस्तान केवल इस्लामाबाद के प्रभाव क्षेत्र में है. दरअसल, भारत और अफगानिस्तान की नजदीकी दक्षिण एशिया में शक्ति-संतुलन के नए दौर की शुरुआत है. भारत जिस व्यावहारिक कूटनीति का प्रदर्शन कर रहा है — न तो तालिबान शासन को वैधानिक मान्यता दी है, न ही उससे पूरी दूरी बनाए रखी है — वही 'मध्यमार्गीय यथार्थवाद' भारत के दीर्घकालिक हितों को साधने का सही तरीका है.

मुत्ताकी की यात्रा यह भी दिखाती है कि अफगानिस्तान भारत की विकास क्षमता, स्वास्थ्य-सेवा और शिक्षा के योगदान को अभी भी एक भरोसेमंद सहयोग के रूप में देखता है. आने वाले समय में, अगर यह संवाद विश्वास की ठोस नींव पर टिका रहा, तो यह न केवल दोनों देशों के लिए, बल्कि पूरे मध्य और दक्षिण एशिया के लिए शांति, स्थिरता और पारस्परिक समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगा.भारत और अफगानिस्तान का रिश्ता समय की कसौटी पर खरा उतरा है. अब यह संबंध राजनीतिक व्यवहारिकता और मानवीय साझेदारी के संगम पर खड़ा है और यही इसकी सबसे बड़ी ताकत है.

भारत-ब्रिटेन संबंधों में ब्रिस्क से नए युग का उदय

ब्रिजेश सिंह (भा.पो.से.), प्रधान सचिव तथा महासंचालक (सूचना व जनसंपर्क).

प्रगाढ़ मैत्री का जीवंत प्रतीक

एक साथ मिलकर, भारत और यूनाइटेड किंगडम न केवल अपने लोगों के लिए समृद्धि लाने, सुरक्षा बढ़ाने और एक स्थिर, नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए तैयार हैं, बल्कि उनकी यह नवीनीकृत साझेदारी आने वाले दशकों में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की दिशा को भी आकार देने की क्षमता रखती है.

भारत की वित्तीय राजधानी मुंबई आज एक विशेष उत्साह और नई ऊर्जा से स्पंदित है. यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री केअर स्टारमर की दो दिवसीय यात्रा ने विश्व का ध्यान इस महानगर पर केंद्रित कर दिया है. इस यात्रा का मुख्य आकर्षण ग्लोबल फिनटेक फेस्ट का भव्य आयोजन है, जो भारत और ब्रिटेन के बीच प्रगाढ़ होते मैत्रीपूर्ण संबंधों का एक जीवंत प्रतीक है. आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रधानमंत्री स्टारमर इस वैश्विक मंच से एक साथ मुख्य भाषण देंगे, तो यह केवल एक औपचारिक राजनयिक संवाद नहीं होगा, यह सदियों पुराने ऐतिहासिक संबंधों के एक नए शिखर पर पहुँचने और दोनों देशों के बीच सहयोग के एक सुनहरे अध्याय, जिसे ब्रिस्क का नाम दिया गया है, की शुरुआत का प्रतीक होगा. यह नाम इस साझेदारी की गतिशीलता, रणनीतिक महत्व को रेखांकित करता है.

एक ऐतिहासिक मोड़- व्यापक रणनीतिक साझेदारीज का सशक्तिकरण वर्ष 2025 भारत और ब्रिटेन के संबंधों के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ है. इसी वर्ष जुलाई में प्रधानमंत्री मोदी की सफल ब्रिटेन यात्रा के बाद, प्रधानमंत्री स्टारमर की यह भारत यात्रा इस साझेदारी को एक नई गति और ठोस आकार प्रदान कर रही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए यह क्षण वैश्विक महाशक्ति के रूप में भारत के उदय का प्रतीक है. प्रधानमंत्री मोदी के अथक प्रयासों ने ब्रिटेन के साथ इस अध्याय की नींव रखी है. आर्थिक विकास और अवसरों का नया इंजन 24 जुलाई, 2025 को हस्ताक्षरित व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता कई वर्षों की गहन वार्ताओं के बाद संपन्न हुआ यह ऐतिहासिक समझौता दोनों देशों के बीच व्यापार के परिदृश्य को पूरी तरह से बदल देने की क्षमता रखता है. यह भारतीय उपभोक्ताओं, उत्पादकों और निर्यातकों के लिए अवसरों के नए द्वार खोलेगा, जिससे अनगिनत उद्योगों और करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद है. इस समझौते का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसके लागू होने के बाद ब्रिटेन के बाजार में प्रवेश करने वाले 99 भारतीय उत्पादों पर सीमा शुल्क समाप्त हो जाएगा. इससे वस्त्र, चमड़ा, कृषि उत्पाद और ऑटोमोटिव घटक जैसे पारंपरिक भारतीय निर्यातकों को सीधा लाभ मिलेगा. यह समझौता प्रधानमंत्री मोदी के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के मंत्र को साकार करता है, जिसका उद्देश्य भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले छोटे और मझोले उद्यमों को सशक्त बनाना है.

हिंद-प्रशांत में सुरक्षा बंधन को मजबूती: यह साझेदारी केवल अर्थव्यवस्था और व्यापार तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका विस्तार रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में भी हो रहा है, जो विजन 2035 रोडमैप की एक प्रमुख आधारशिला है. हिंद-प्रशांत क्षेत्र आज वैश्विक भू-राजनीति का केंद्र बनता जा रहा है, और भारत तथा ब्रिटेन दोनों ने इस क्षेत्र को एक मुक्त, खुले, नियम-आधारित और स्थिर क्षेत्र के रूप में बनाए रखने के लिए एक साझा दृष्टिकोण अपनाया है.

यह सहयोग हाल ही में संपन्न हुए नौसैनिक अभ्यास कोंकण 2025 में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जहाँ भारत के स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत और ब्रिटेन के एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स ने एक साथ मिलकर जटिल युद्धाभ्यास किए, यह दो आधुनिक नौसेनाओं के बीच बढ़ती अंतर-संचालनीयता और क्षेत्रीय शांति के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक था. इसी तरह, भारतीय वायु सेना के साथ किए गए हवाई रक्षा अभ्यासों ने इस सहयोग को और भी गहरा किया है.

महाकौशल की डायरी

शहर कार्यकारिणी के ऐलान में महामंत्री का रोड़ा....

अविनाश दीक्षित

भारतीय जनता पार्टी ग्रामीण की कार्यकारिणी तो घोषित हो गई, उस सूची में सांसद आशीष दुबे का वर्चस्व भी दिख गया लेकिन अब शहर कार्यकारिणी के ऐलान को लेकर सिर्फ तारीख पर तारीख ही मिलती दिख रही है जिसने पार्टी में अलग-अलग पदों की चाह रखने वाले भाजपा नेताओं की बैचैनी बढ़ा दी है. इसी बीच संगठन के अंदरूनी खबरियों के माध्यम से जो जानकारी निकलकर सामने आ रही है वो काफी चौंकाने वाली है. खबर है कि भाजपा शहर कार्यकारिणी के सभी नामों पर तो सहमति बन चुकी है लेकिन महामंत्री के पद पर सहमति नहीं बन पा रही है, ऐसे में जब तक महामंत्री के नाम पर सहमति नहीं बनेगी तब तक भाजपा शहर की कार्यकारिणी का ऐलान नहीं होगा. भाजपा जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने भी अपने चहेतों के नाम भोपाल स्तर पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को सौंप दिए हैं लेकिन अंतिम मुहर किसके नाम पर लगती है ये तो आने वाली सूची में ही पता चलेगा. उधर 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक जबलपुर स्थित संघ के मुख्यालय केशव कुटी में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की कार्यकारी मंडल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित किया जाना प्रस्तावित है. जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत स्वयं उपस्थित रहेंगे. ऐसे में भारतीय जनता पार्टी के खेमे में ये भी चर्चा है कि भाजपा की शहर कार्यकारिणी में आरएसएस में सक्रिय पदाधिकारियों के नामों पर भी अंतिम सूची में मुहर लग सकती है, जो कि इस बैठक के बाद होगा. मतलब साफ है कि आरएसएस की इस तीन दिन की बैठक के बाद ही भाजपा द्वारा शहर कार्यकारिणी का ऐलान किया जाएगा.

2 बार जारी हुए नोटिस फिर भी नींद नहीं खुली....

जबलपुर स्मार्ट सिटी कार्यालय के एक ऐसा कारनामा सामने आया जिसने सभी को चौंका दिया है. पहले शासकीय दस्तावेजों को नष्ट कराने के आरोपों में और फिर अब स्मार्ट सिटी के कर्मचारियों के भविष्य निधि के रुपए भविष्य निधि संगठन क्षेत्रीय कार्यालय में जमा नहीं करने के मामले में सुर्खियों में आ गया है. इतना ही नहीं करीब 68 साल उम्र के बुजुर्ग कर्मचारी से भी कार्यालय में काम लिया गया और उसकी पीएफ की राशि को भविष्य निधि कार्यालय में जमा नहीं किया गया, जबकि 65 साल की उम्र में उनका रिटायरमेंट था. मामला जब उजागर हुआ तो आला अधिकारी सकते में आ गए. अब देखना होगा कि कार्रवाई की गाज किसके ऊपर और कब गिरती है. लिहाजा मामला संज्ञान में आने के बाद भविष्य निधि संगठन क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों ने स्मार्ट सिटी कार्यालय के जिम्मेदारों को चेतावनी देते हुए 2 बार नोटिस भी जारी कर दिया और सख्त कार्रवाई करने की बात तक कह दी. स्मार्ट सिटी के संविदा कर्मचारियों का कहना है कि 2016 से लेकर अभी तक करीब 22 कर्मचारियों का पीएफ के रुपए भविष्य निधि कार्यालय में जमा नहीं किए गए हैं. कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है और वे कह रहे हैं कि भविष्य निधि को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए थे लेकिन स्मार्ट सिटी कार्यालय प्रबंधन इस लाभ से वंचित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है.

बिना अर्हताओं वालों को कर दी गई नियुक्ति....

नानाजी देशमुख वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल में उद्योग प्रतिनिधि की जगह पूर्व डीन और गोसंवर्धन बोर्ड के अधिकारी को सदस्य बनाया गया तो मामले ने ऐसा तूल पकड़ा कि शिकायत राजभवन तक हो गई. इतना ही नहीं शासकीय कॉलेज की प्रिंसिपल की नियुक्ति भी संदेह के कटघरे में खड़ी हो गई क्योंकि मंडल में यहां महिला सामाजिक कार्यकर्ता की नियुक्ति की जानी थी. जानकारों ने स्पष्ट कहा कि विशेष व्यक्ति को उपकृत करने के चक्कर में शासन के नियम सारे दरकिनार कर दिए गए. पूरा मामला नानाजी देशमुख वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल में 3 सदस्यों की नियुक्ति का है जहां आवश्यक अर्हताओं का पालन प्रबंधन द्वारा नहीं किया गया और अब कार्रवाई की गेंद राजभवन के पाले जा चुकी है. खबर तो ये भी है कि सरकार के आला अधिकारियों को भी नियम तोड़कर नियुक्ति करने वालों की शिकायत की गई है. विदित हो कि 10 सितंबर को राजभवन से नानाजी देशमुख वेटरनरी विश्वविद्यालय जबलपुर के प्रबंध मंडल के लिए तीन सदस्यों की नियुक्ति के आदेश जारी किए गए थे. फिर विवि के अधिनियम के तहत राज्यपाल के विशेषाधिकार से यह नियुक्तियां की गई. जानकारों का खुले मंच से सार्वजनिक बयान जो जारी हुआ उससे साफ था कि जो वैज्ञानिक नहीं है वह मंडल में सदस्य बनने लायक नहीं है.

पैकेज तो ठीक, गीला अकाल भी घोषित करें

पैकेज के कुल आंकड़ों का विचार किया जाए तो उसमें रोजगार गारंटी योजना, फसल बीमा योजना और आधारभूत सुविधाएं बढ़ाने के लिए समय-समय पर सरकार द्वारा घोषित निधि का समावेश है इसलिए यह आंकड़ा बड़ा दिखाई दे रहा है. पशुपालन कृषि का आधार है. बैल व दुधारू पशु के मर जाने से हुए नुकसान पर सरकार एक मवेशी पर 37,500 रुपये मुआवजा दे रही है.

अतिवृष्टि से अपना सर्वस्व गंवा चुके किसानों की सहायता हेतु राज्य सरकार ने 31,628 करोड़ रुपए के पैकेज की घोषणा की है. भारी वर्षा और बाढ़ के आसमानी संकट से किसानों की फसलें बह गई, पालतू मवेशियों की मौत हुई और मकान नष्ट हो गए. किसानों को तत्काल सहायता की आवश्यकता थी जिसे इस पैकेज के जरिए पूरा करने का प्रयास किया गया. इसके बावजूद कोई भी मदद किसी समस्या का स्थायी हल नहीं है. यद्यपि इतिहास में पहली बार इस तरह का पैकेज देने का दावा सरकार ने किया, लेकिन वास्तव में गीला अकाल घोषित करने और किसानों को कर्ज माफी दिए जाने की आवश्यकता थी. आर्थिक मसलों पर उसकी व्यावहारिकता पर विचार कर उस दिशा में कदम उठाए जाने चाहिए थे.

किसानों ने कर्ज लेकर बीज बोए, खाद व कीटनाशक खरीदे. पैसा खर्च कर बुआई की. खेतों में पानी भर जाने से सब कुछ चौपट हो गया. विदर्भ व मराठवाडा मिलाकर पिछले वर्ष भर में सैकड़ों किसानों ने आत्महत्या की. जिन परिवारों के मुखिया की मौत हो गई, उस पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा. सरकार मृतकों के परिवारजनों को 4 लाख रुपये तथा घायलों को 74,000 से 1.50 लाख रुपये तक मदद देगी. उनके परिवारों को पुनर्वसन और बच्चों के पालनपोषण के लिए यह रकम पर्याप्त नहीं है. इसके लिए समाज और स्वयंसेवी संस्थाओं को उदारता दिखाते हुए आगे आना चाहिए.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

सिर्फ चंदामामा में पढ़ो कहानी न कोई राजा न कोई रानी

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, बच्चों को सुनाई जाने वाली नानी की कहानी हमेशा एक था राजा शब्दों के साथ शुरू होती है. बच्चे राजा की शाही पोशाक, उसके सिंहासन और राज दरबार की कल्पना करते हैं. राजा के साथ उसकी एक या अनेक रानियों तथा राजकुमारों का किस्सा भी जुड़ता है. हमने बचपन में चंदामामा व अमर चित्र कथा में ऐसी कहानियां पढ़ी थीं.

हमने कहा, लोकतंत्र में राजा-रानी की कहानी भूल जाइए. राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर राजघराने या रॉयल फैमिली को आदेश दिया है कि उसका कोई भी सदस्य अपने नाम के पहले राजा, महाराजा, रानी, महारानी, प्रिंस, प्रिंसेज, राजकुमार या राजकुमारी बिल्कुल भी न लगाए.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, यह आदेश सुनकर हमें फिल्म नमकहलालज का गीत याद आगया- ये क्या जुलुम हुआ, ये क्या गजब हुआ, न जाने तू, न जानूं मैं! राजा को राजा नहीं कहेंगे तो क्या रंक कहेंगे? राजस्थान का मतलब ही राजाओं का स्थान होता है. अब क्या राज शब्द हटाकर उसे सिर्फ स्थान कहेंगे?

हमने कहा, आप व्यर्थ की हुज्जत कर रहे हैं. अदालत का आदेश संबंधित पक्षों को आंख मूंदकर मानना पड़ता है. आजादी के बाद जब प्रथम गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश के सारे राजे-रजवाड़ों को स्वतंत्र भारत में विलीन करवा लिया तो ये सिर्फ नाम के राजघराने रह गए. उनकी प्रजा भारत की प्रजा बन गई. केवल जम्मू-कश्मीर के राजा हरिसिंह विलय के लिए तैयार नहीं थे लेकिन जब पाकिस्तान ने कश्मीर पर हमला किया तो उन्हें भारत में विलय के लिए मजबूर होना पड़ा. जूनागढ़ का नवाब जन रोष को देखते हुए गद्दी छोड़कर पाकिस्तान भाग निकला, हैदराबाद के निजाम ने अकड़ दिखाई और कासिम रिजवी के नेतृत्व में रजाकारों से खूनखराबा करवाया तो सरदार पटेल ने ब्रिगेडियर जेएन चौधरी के नेतृत्व में भारतीय सेना को 3 दिशाओं से भेजकर निजाम के होश ठिकाने ला दिए. वह सरेंडर करने को विवश हुआ. सेना का ऑपरेशन पोलो अभियान 13 सितंबर 1948 को शुरू हुआ और 4 दिन में पूरा हो गया. आगे चलकर हैदराबाद स्टेट आंध्रप्रदेश बन गया. पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, आज भी इंदौर के होल्कर, ग्वालियर के सिंधिया और जयपुर के राजघराने को लोग याद करते हैं. एक समय वह भी था जब ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ व उनके पति ड्यूक ऑफ एडिनबरा जयपुर राजघराने के मेहमान बनकर आते थे और पोलो खेला करते थे. महारानी गायत्रीदेवी की अलग ही शान थी.

हमने कहा, इंदिरा गांधी ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए भूतपूर्व राजाओं को दिया जाने वाला प्रिवीपर्स बंद करवा दिया था. अब हाईकोर्ट ने राजा-रानी कहने पर भी रोक लगाकर सबको सामान्यजन बना दिया.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12047 -डॉ. सागर खादीवाला

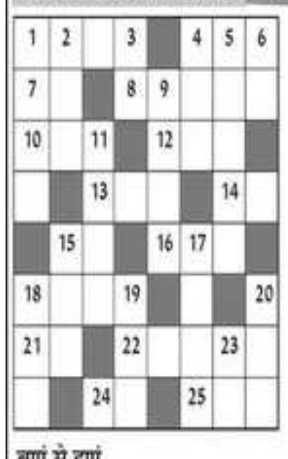

बाएं से दाएं

1. क्रिकेट के एक इतिहास पुरुष 6. धुन, गीत गाने का सुंदर ढंग 7. मगर या घड़ियाल, बारह राशियों में से एक 9. नाम रखने का काम या संस्कार 11. ऐसा समय जिसमें भोजन खूब मिले तथा अन्न की उपज पर्याप्त हो, सुकाल (सं.) 12. बिछाना 13. प्रवाह, किसी दिशा में किसी वस्तु या तत्व का निरंतर प्रवाहित होना, दफा 14. रूपवान, खूबसूरत 16. प्रतियोगिता, भेंट, मुलाकात 18. चिट्ठी, खत, पर्ण 19. शिकार खेलने की जगह (उर्दू) 22.पृथ्वी के नीचे के लोकों का छठा लोक 23. निगलना

ऊपर से नीचे

1. शाख 2. देखने में सुंदर 3. डर दिखाना 4. नमक निकालने या बनाने का स्थान (उर्दू) 5. कीर्तिगायक, भाट (सं.) 8. निपटाना, बनाना 10. सहायक, सहायता करने वाला 11. अमृत का समुद्र (सं.) 15. तस्वीर, रेखाओं अथवा रंगों द्वारा बनी हुई किसी वस्तु की आकृति 17. नष्ट किया हुआ (सं.) 18. किसी कार्य का अपनी ओर से आरंभ 20. समय, मृत्यु 21. दुर्वचन, कलंकपूर्ण आरोप

गूढ़ 23. देने का कार्य, देना, खैरात

Solution 12046

अ	प	वा	दि	क	■	सो	न
शु	■	द	■	म	हा	म	न
भ	व	न	■	ला	ल	■	■
■	च	क	म	क	■	स	च
सा	न	■	■	र	■	ब	ल
मा	■	आ	च	■	आ	ल	प
जि	न	■	म	ति	■	■	मा
क	मी	■	क	ल	म	दा	न

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में यात्रा होगी, पद एवं स्थान परिवर्तन के योग हैं, शारीरिक कष्ट का सामना करना पडेगा, भौतिक सुख प्राप्त होगा, उत्तरदायित्वों को सम्हालने की आवश्यकता है, वर्ष के मध्य में व्यापार के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी, यात्रा से कष्ट होगा, वर्ष के अन्त में विवाद एवं मतभेद हो सकते हैं, आय में सुधार होगा, भाईयों का सहयोग रहेगा.

मेष और वृश्चिक वृश्चिक राशि के व्यक्तियों के लिये रचनात्मक प्रयास सार्थक होंगे, भौतिक सुख साधनों में वृद्धि होगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को यात्रा का योग है, दाम्पत्य जीवन में कलह की स्थिति न आने दें, सिंह राशि के व्यक्तियों को कार्यों में वृद्धि होगी.

मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को दिनचर्या में व्यवधान आयेगा, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को राजनीतिक गतिविधियों में वृद्धि होगी, पद एवं प्रभाव बना रहेगा.

मेष- नए कार्य के लिये जरूरी धन मिलेगा, पारिवारिक वातावरण शांतिपूर्ण रहेगा, मानसिक प्रसन्नता रहेगी, शारीरिक थकान रहेगी.

वृषभ- विश्वास प्राप्त व्यक्ति आपको भ्रमित कर सकता है, शत्रुओं पर आपका प्रभाव बना रहेगा, धन की प्राप्ति होगी, मन में संतोष रहेगा.

मिथुन- साझेदारी में कोई बड़ी योजना शुरू कर सकते हैं, मन में शांति और संतोष रहेगा, आय के मार्ग प्रशस्त रहेंगे, दूरभाष पर कोई खुशखबरी समाचार मिलेगा.

कर्क- बीती बातों को याद करने से दुख होगा, मानसिक अस्थिरता रहेगी, संतान तथा रोगी के कार्यों का ध्यान रखें, पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

सिंह- सूझबूझ से बढ़ें, सफलता मिलेगी, युवावर्ग को कैरियर में प्रस्ताव मिलेगा, किसी प्रिय व्यक्ति से भेंट होगी, धार्मिक स्थिति में सुधार होगा.

कन्या- राजकीय मामले में पक्ष मजबूत होगा, नौकरी के कार्यों में सफलता मिलेगी, शत्रुओं पर विजय, आजीविका के प्रयासों में सफलता का योग है.

तुला- आज का दिन शुभ एवं अनुकूल रहेगा, अधिकारी आपकी बात से सहमत रहेंगे, जिस कार्य को हाथ में लेंगे, उस पर सफलता मिलेगी, खान पान पर ध्यान रखें.

वृश्चिक- प्रयासों में सफलता मिलेगी, परिजनों की जिम्मेदारी बढ़ेगी, निजी कार्य से दूर दराज की यात्रा होगी, बुजुर्ग के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी.

धनु- अचानक नये कामकाज सामने आ सकते हैं, मन में संतोष रहेगा, निजी कार्य अधूरे रह सकते हैं, परिश्रम अधिक करना होगा. मन में खुशी होगी.

मकर- अनहोनी का भय बना रहेगा, दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा, प्रवास में मनोरंजन आदि के अवसर आयेंगे, मन में संतोष बना रहेगा.

कुम्भ- कुटुम्बियों से सहयोग मिलेगा, मन मुताबिक काम बनेगा, दिन के उत्तरार्ध में स्वयं की गलती से नुकसान होगा इसलिए सावधानी रख कर कार्य करें.

मीन- आय के नये स्त्रोत बनेंगे, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, नौकर चाकरों का सुख सहयोग मिलेगा, महत्वपूर्ण कार्य योजना बनेगी. मन में प्रसन्नता रहेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक हंसमुख, मिलनसार, होगा, खेलकूद में अच्छी रूचि रहेगी, स्वास्थ्य साधारण रहेगा, बचपन में आकस्मिक स्वास्थ्य खराब हो सकता है, विद्या के प्रति लगनशील होगा, स्वास्थ्य ठीक रहेगा, भूमि भवन खनिज आदि में रूचि रहेगी, जीवनसाथी का सहयोग रहेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

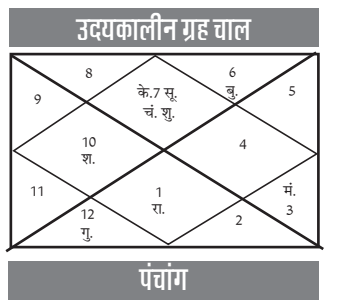

पंचांग

रा.मि. 19 संवत् 2082 कार्तिक कृष्ण पंचमीं शनिवासरे रात 10/3, रोहिणी नक्षत्रे रात 9/13, व्यतिपात योगे रात 8/33, कौलव करणे सू.उ. 6/13, सू.अ. 5/47, चन्द्रचार वृषभ, शु.रा. 2,4,5,8,9,12 अ.रा. 3,6,7,10,11,1 शुभांक- 4,6,0.

व्यापार भविष्य

कार्तिक कृष्ण पंचमीं को रोहिणी नक्षत्र के प्रभाव से जौ, गेहूँ, चना, चांवल, के भावों में मंदी का योग है, जीरा, धनियां, में घट-बढ़ रहेगी, वायदा विचार आज 12 बजकर 50 मिनिट से 20 मिनिट का रूख पर चाल बनेगी, पीली, वस्तुओं में तेजी होगी, भाग्यांक 4144 है.

SUDOKU 7179

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-डोकू 7178

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4